केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में वन महोत्सव पर पौधारोपण किया।

आज केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में वन महोत्सव मनाया गया । वन महोत्सव पर संस्थान के निदेशक डा0 गुरबचन सिंह व कर्मियों द्वारा अशोक के 52, चम्पा के 14 तथा फाइबरन पांडा के 45 पौधे सहित कुल 111 पौधे बच्चों के खेलने के पार्को में लगाये गये । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं संस्थान के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

वन महोत्सव पर संस्थान कर्मियों को संस्थान के निदेशक डा0 गुरबचन सिंह ने अपने सम्बोधन में वन महोत्सव के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। निदेशक ने कहा कि हम सब के जीवन मे वृक्षों का बहुत ही योगदान है। वृक्षों से लकडी, फल, औषधी तथा छाया मिलने के अतिरिक्त पर्यावरण शुद्व रहता है। वृक्ष को काटने की बजाय हम सब को पौधारोपण को बढावा देना चाहिए। वैसे भी वृक्ष काटना एक कानूनी अपराध है। सरकार भी वृक्षारोपण की तरफ सकारात्मक कदम उठा रही है। उन्होने अपने बचपन की यादें भी ताजा करते हुये कहा कि पहले कितने वृक्ष होते थे, अच्छी बरसातें होती थी तथा पर्यावरण भी शुद्व रहता था । परन्तु वृक्षों की अधांधुध कटाई की गई परिणामस्वरूप बरसात पहले से कम होती जा रही है जिसका पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता जा रहा है। अतः पेड़ न केवल औषधी, फल, छाया तथा लकडी प्रदान करते हैं बल्कि प्राकृतिक सुन्दरता एवं हरियाली को भी बढाते हैं। अतः बढते प्रदूषण के प्रकोप से बचने के लिये केवल एक ही उपाय है तो वह है पेड़–पौधे ।

उन्होने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से आहवान् किया कि वे अवश्य अपने लान/ क्यारियों या आस–पास में कम से कम एक पौधा तो अवश्य लगायें लेकिन सबसे बडी जिम्मेवारी है पौधे को पेड़ बनाने के लिये बच्चों की तरह परवरिश करनी होगी।

‘‘**पर्यावरण बचाओ वन लगाओ**‘‘ के नारे को स्वीकारते हुये पेड़–पौधों से फल, औषधी, लकड़ी, छाया प्राकृतिक सुन्दरता व हरियाली के साथ–साथ पेड पौधे लगाना वायु प्रदूषण से बचने का भी मात्र एक उपाय है।

इस अवसर पर संस्थान के सभी प्रभागाध्यक्ष/परियोजना समन्वयक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री रत्नेश कुमार, फार्म के प्रभारी अधिकारी डा0 आर.के. यादव, फार्म प्रबन्धक श्री सुरेन्द्र मोहन तथा श्री सुनील कुमार, क्षेत्रीय सहायक विशेष रूप से उपस्थित थे।